बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

रूपवती रानी एस्तेर

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2017 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

बहुत समय पहले एक सुन्दर रानी हुआ करती थी। उसका नाम एस्तेर था।

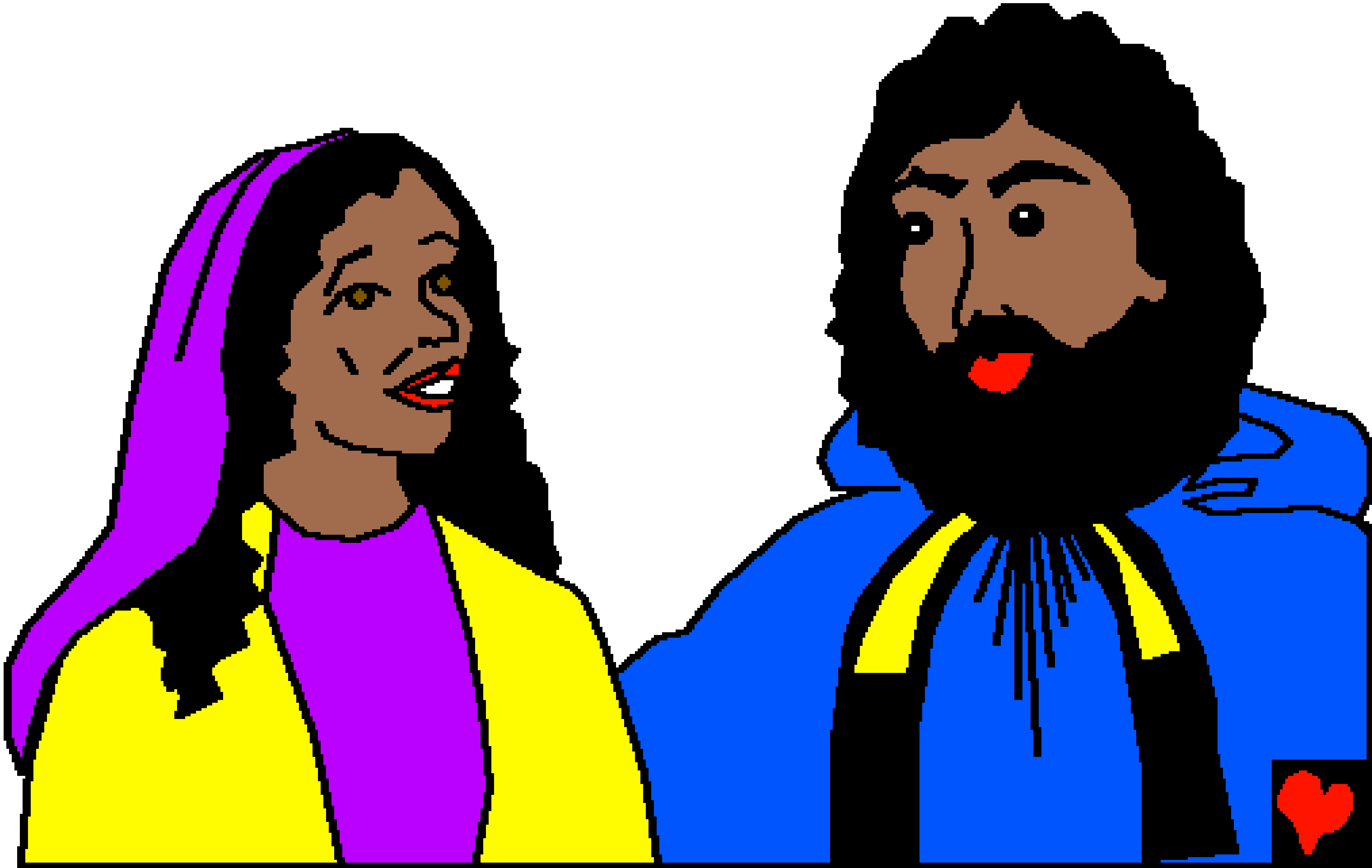

जब उसके माता -पिता का देहांत हो गया;
तब उसका चचेरा भाई मोर्दकै उसे अपने घर
ले आया। एस्तेर एक अच्छी बेटी की तरह
आज्ञां मानकर अपने चचेरे भाई
को आदर
करती थी।

एस्तेर फारस में रहती थी लेकिन वह फारसी नहीं थी। वह यहूदी थी। उसके पूर्वज युद्ध के दौरान कैदी बनाकर यहाँ लाये गए थे।

एस्तेर के समय काल में, यहाँ बहुत सारे यहूदी रहा करते थे।

फारस के राजा संसार के
राजकुमारों के
लिए एक भोज
का आयोजन
किया, सारे
लोग खाए। रानी
वशती भी स्त्रियो
के लिए भोज
का आयोजन
की थी।

पियक्कड़ राजा ने,
रानी वशती को आदेश

दिया की वह
राजमुकुट
को पहने और
अपनी सुन्दरता
का प्रदर्शन करे,
रानी वशती ऐसा
करने से इंकार
कर दिया।

यह दिखाने
के लिए कि
स्त्रियां अपने
पति का आदर करे,
राजा ने एक नियम
निकाला, इसी नियम
के चलते रानी का
राजमुकुट ले लिया
गया। अब वह रानी
नहीं रही।

एक नई रानी
की तालाश का
ऐलान किया गया।
उसके राज्य में बहुत
सुन्दर लड़कियाँ थी।
उसमे से राजा ने
एस्तेर को अपनी
पत्नी बनाने के
लिए चुना।

राजमुकुट रानी
को पहनाया।
एस्तेर ने राजा को
यह बात नहीं बतायी
की वो यहूदी है क्योंकि
उसका चचेरा भाई
मोर्दकै ऐसा कहने
से मना किया था।

चचेरा भाई मोर्दकै राजमहल के प्रवेश

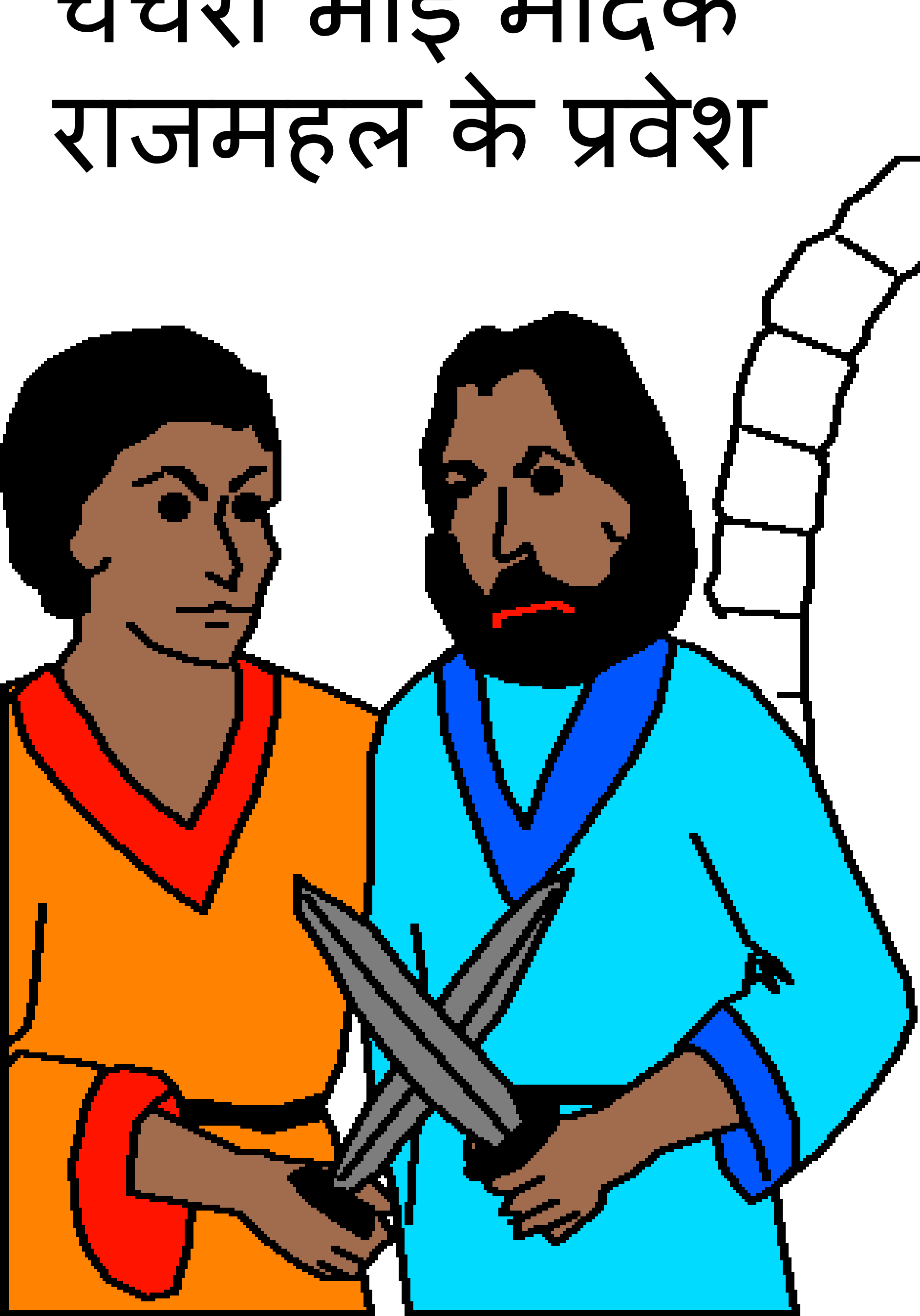

दवार पर समय बिताता था। ताकि उसे एस्तेर का समाचार मिलता रहे। एक दिन दो राजसेवक राजा को मारने की बात कर रहे थे। इस बात को मोर्दकै ने सुन लिया।

मोर्दकै इस बात को राजा के पास पंहुचा दिया।

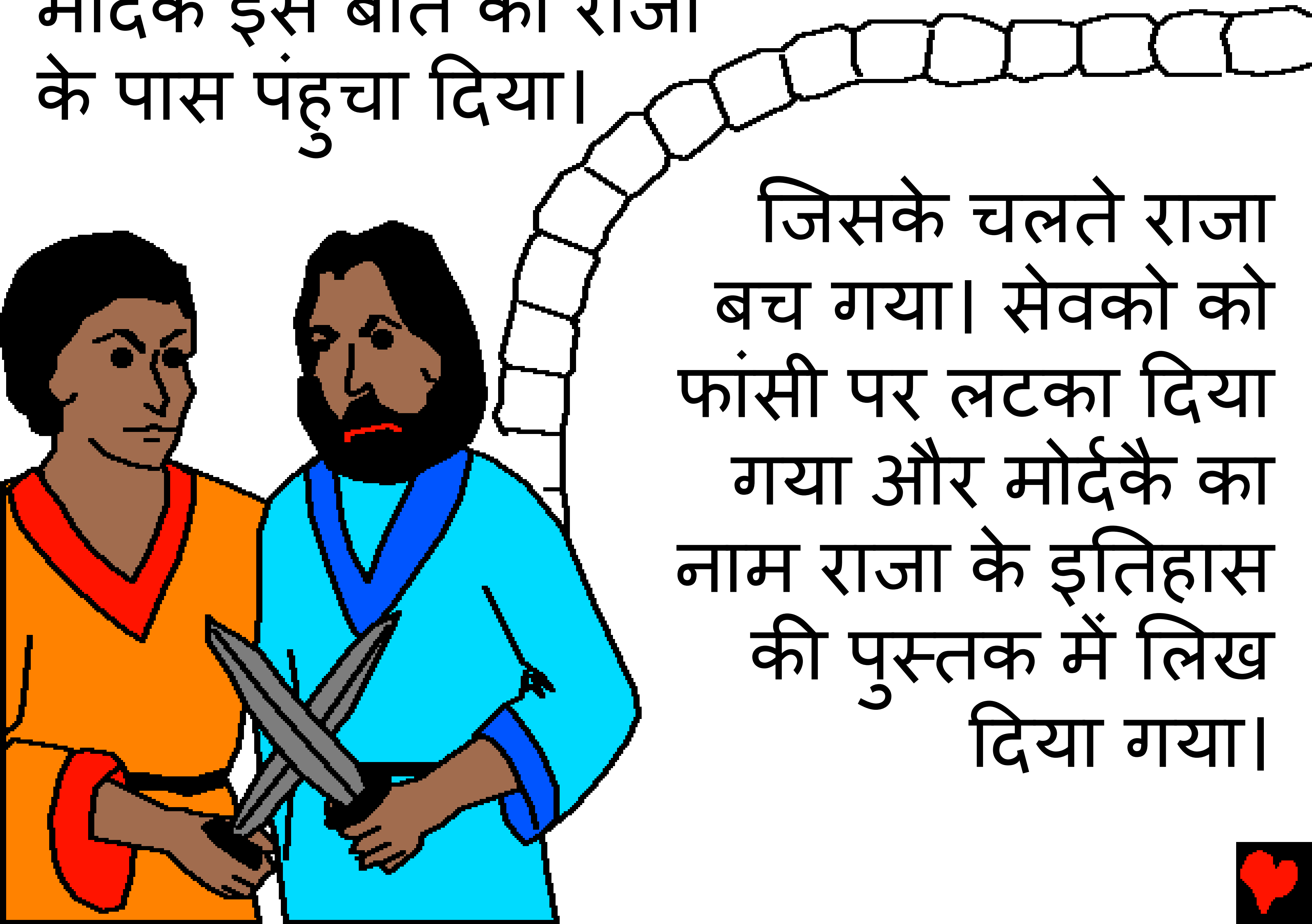

जिसके चलते राजा बच गया। सेवको को फांसी पर लटका दिया गया और मोर्दकै का नाम राजा के इतिहास की पुस्तक में लिख दिया गया।

राजा ने एक हामान नामक व्यक्ति का पद ऊँचा किया जो धनवान था।

जब हामान रास्ते से गुजरता था, तो सारे लोग उसे दण्डवत किया करते थे; सिर्फ एक व्यक्ति के अलावा जो यहूदी था। वह सिर्फ अपने जीवित परमेश्वर की आराधना करता था।

हामान मोर्दकै से बहुत नफरत करता था। वह उसे और फारस के यहूदियों को मारने का निर्णय किया। दुष्ट हामान बहुत चालाकी से राजा से एक नई अध्यादेश निकालवाकर आदेश पत्र पर हस्ताक्षर ले लिया।

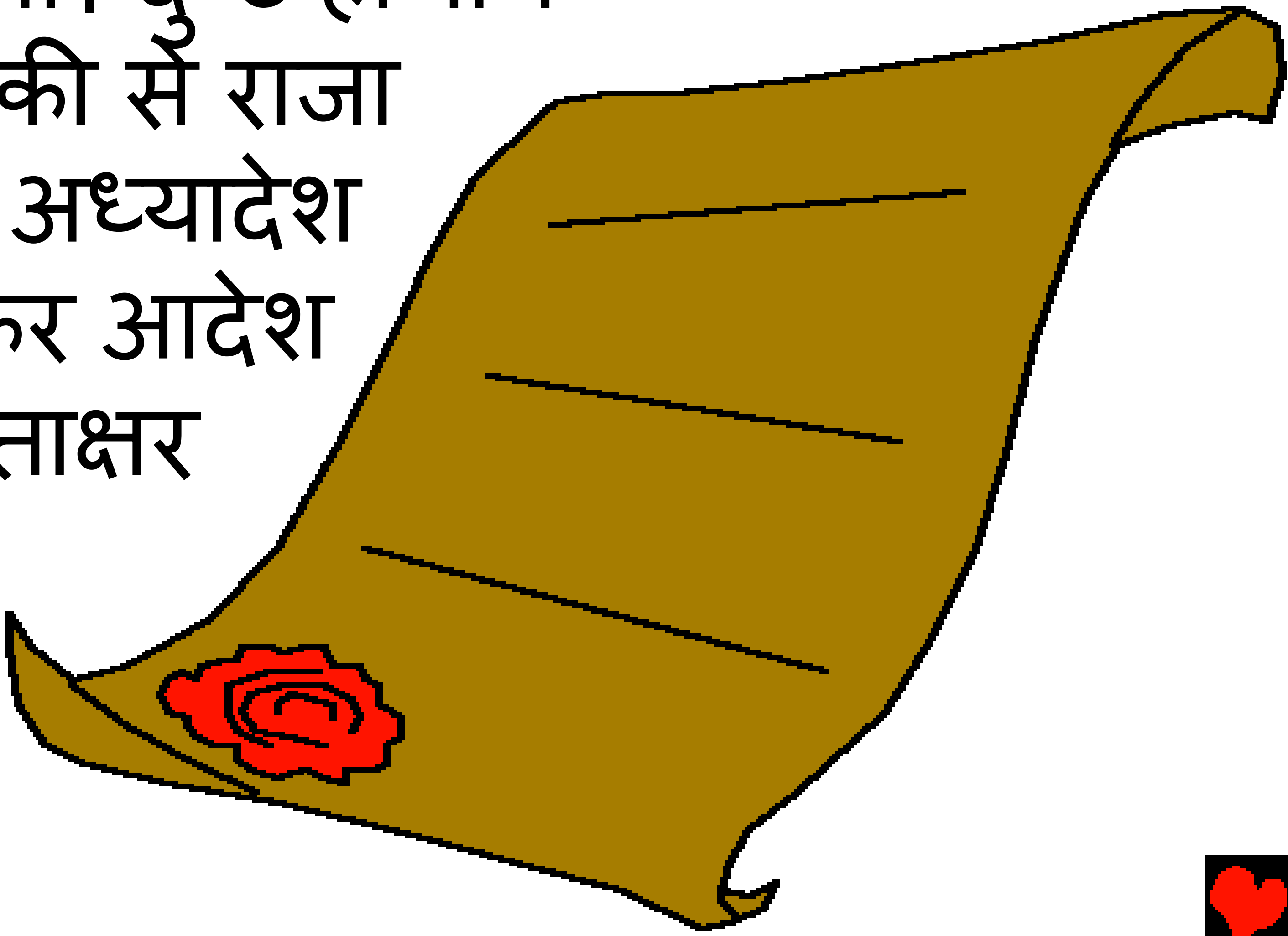

जिसमे उस राज्य के सारे यहूदियों को मार डालने की चर्चा की गयी थी।

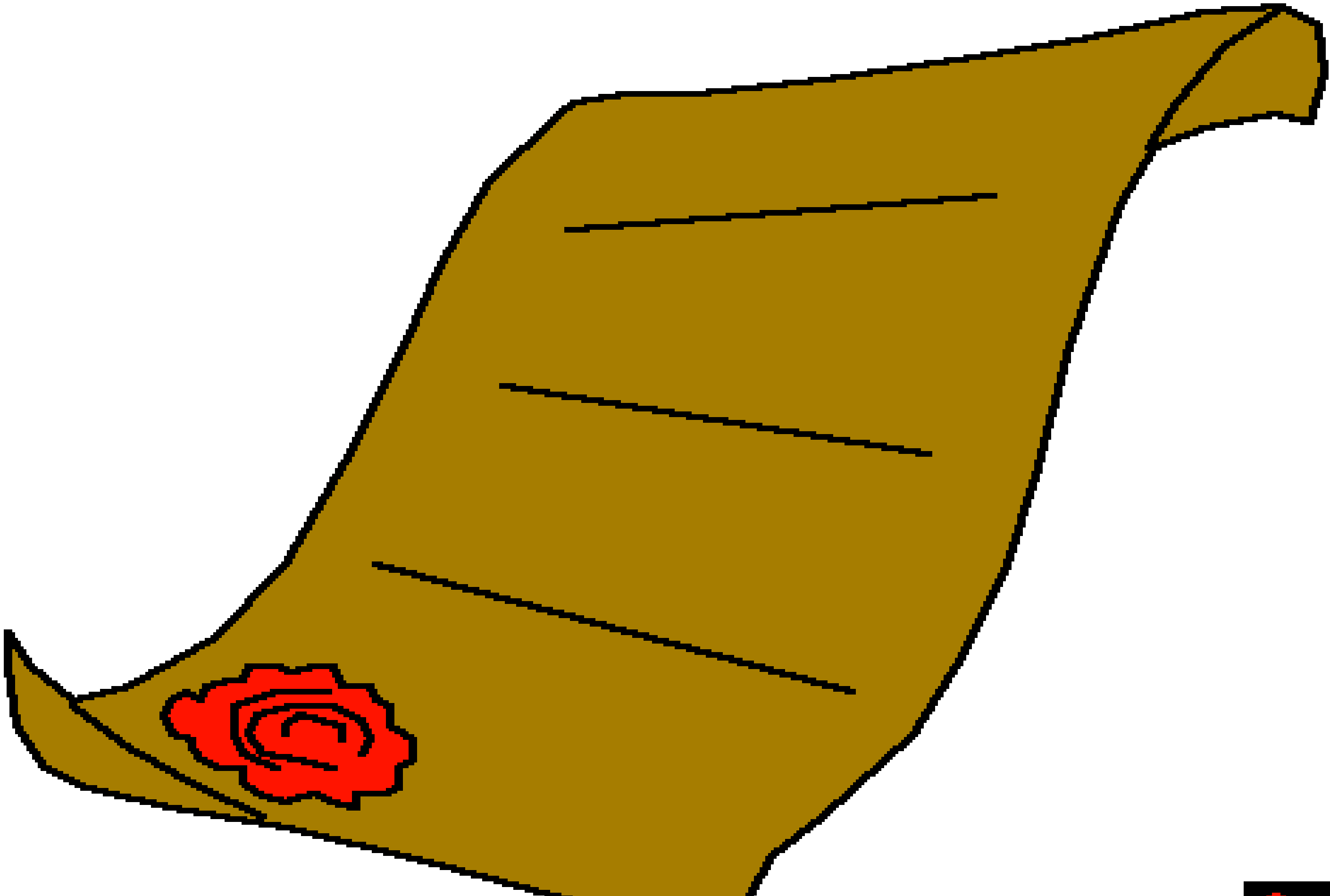

यह बहुत ही
सख्त आदेश
था। यहूदी और
फारसी इस आदेश से
बहुत शोकित हुए।
लेकिन याद रहें की
परमेश्वर ने एस्तेर
को रानी बनाया।
वह एक यहूदी थी।

तो क्या वह
इस रहस्य को
राजा से छुपाये
रखेगी? या अपने
जान को जोखिम में
डालकर अपने लोगो
को बचाने का
प्रयास करेगी?

परमेश्वर ने एस्तेर को एक चतुराई भरा का तरीका दिया। उसने राजा एवं हामान को एक भोज पर आने का निमत्रण दिया। एक बार राजा ने रानी से वायदा किया था कि जो वह मांगेगी वह किया जायेगा।

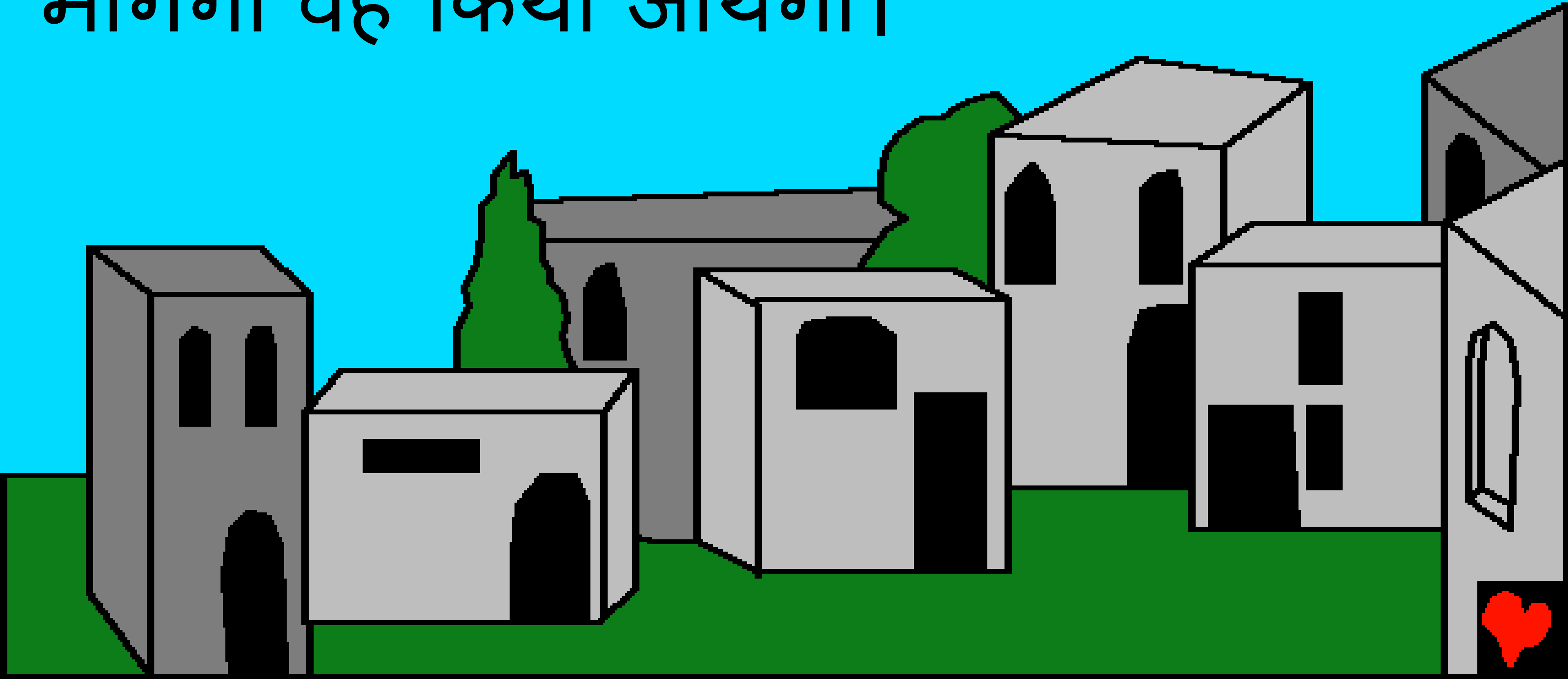

राजा और हामान, मेरे द्वारा तैयार कल के भोज में आएं ... उसी घड़ी वह राजा से मांगेगी कि वह क्या चाहती है।

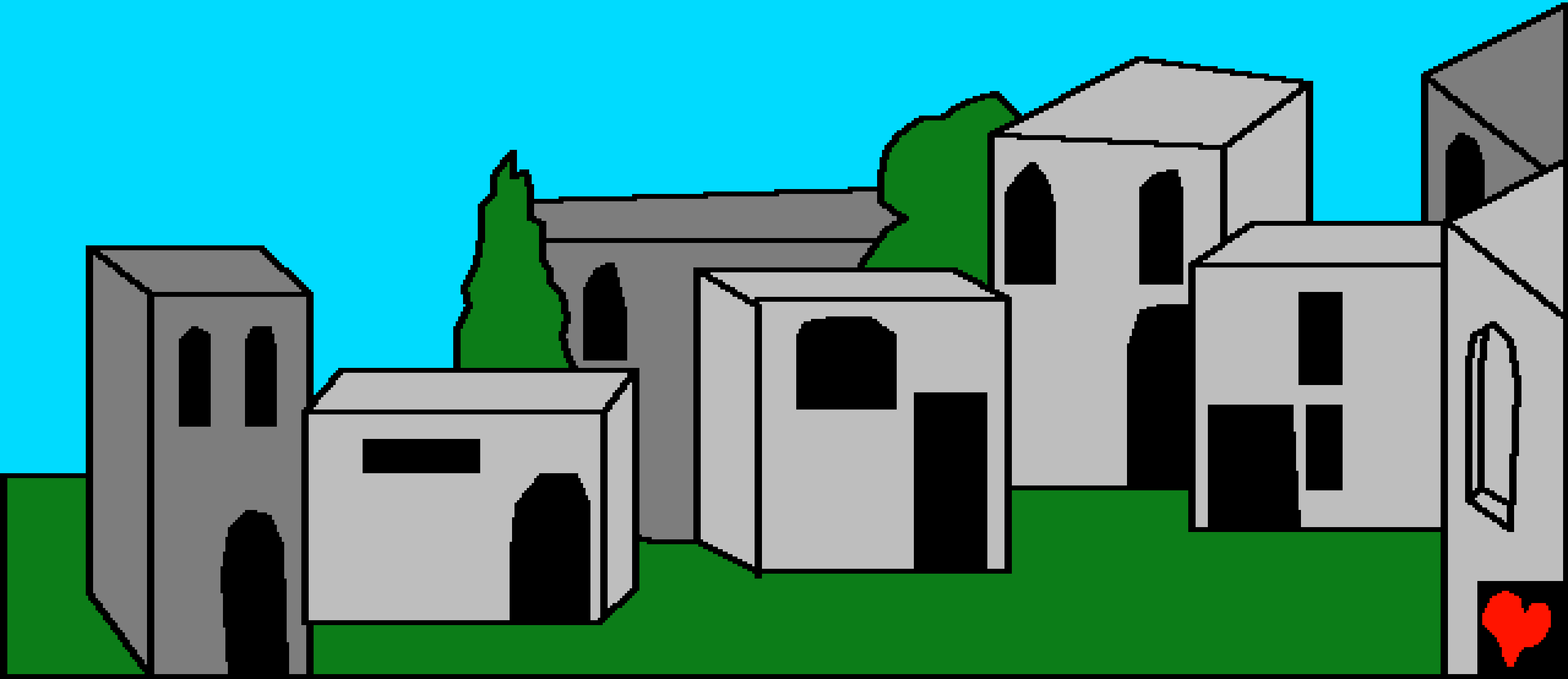

उसी वक्त हामान एक बहुत उच्चा फांसी का खम्भा मोर्दकै के लिए तैयार किया।

उस रात राजा सो नहीं सका। राजा अदालत की संग्रहित पुस्तक को पढ़ रहा था। जहाँ उसने यह पढ़ा की मोर्दकै को कभी भी उसके जान बचाने का प्रतिफल नहीं दिया गया।

अगली सुबह राजा ने हामान से पूछा जिस मनुष्य को राजा प्रतिष्ठा देना चाहे तो उसके लिए उसे क्या करना उचित होगा? हामान ने यह सोचा की

हामान मोर्दकै को फांसी पर
लटकाने के लिए राजा से अनुमति
लेने के लिए आया था। खम्भा
तैयार था। लेकिन अभी इंतज़ार
करना था।

इस विचार को जोश के साथ
राजा के सामने रखा की उसे
राजा की तरह वस्त्र और मुकुट
पहनाया जाय।

राजा के घोड़े पर बैठाकर नगर के चौक में उसे घुमाया जाय ताकि सारे लोग देखे। मोर्दकै के साथ यही किया जाय, राजा ने हामान को यह आदेश दिया।

आप क्या सोचते है कि
हामान को कैसा लग रहा
होगा जब वह मोर्दकै को नगर
में लेके जा
रहा था।

अब वह मोर्दकै से पहले से
भी ज्यादा नफ़रत करने लगा;
हामान ऐसा सोच रहा होगा
"थोड़ा इंतजार
करो"।

"कुछ ही समय बाद
तुम दुसरे यहूदियों के
साथ मारे जाओगे।"

उसी दिन हामान और राजा, रानी एस्तेर के भोज में आये। राजा ने पूछा, रानी तेरा निवेदन क्या है वह अपने वायदा को भुला नहीं था। रानी एस्तेर हामान की तरफ इशारा करते हुए उसके सारे दुष्ट चाल को राजा से बता दी "राजा ने कहा उसे फांसी पर लटका दो।"

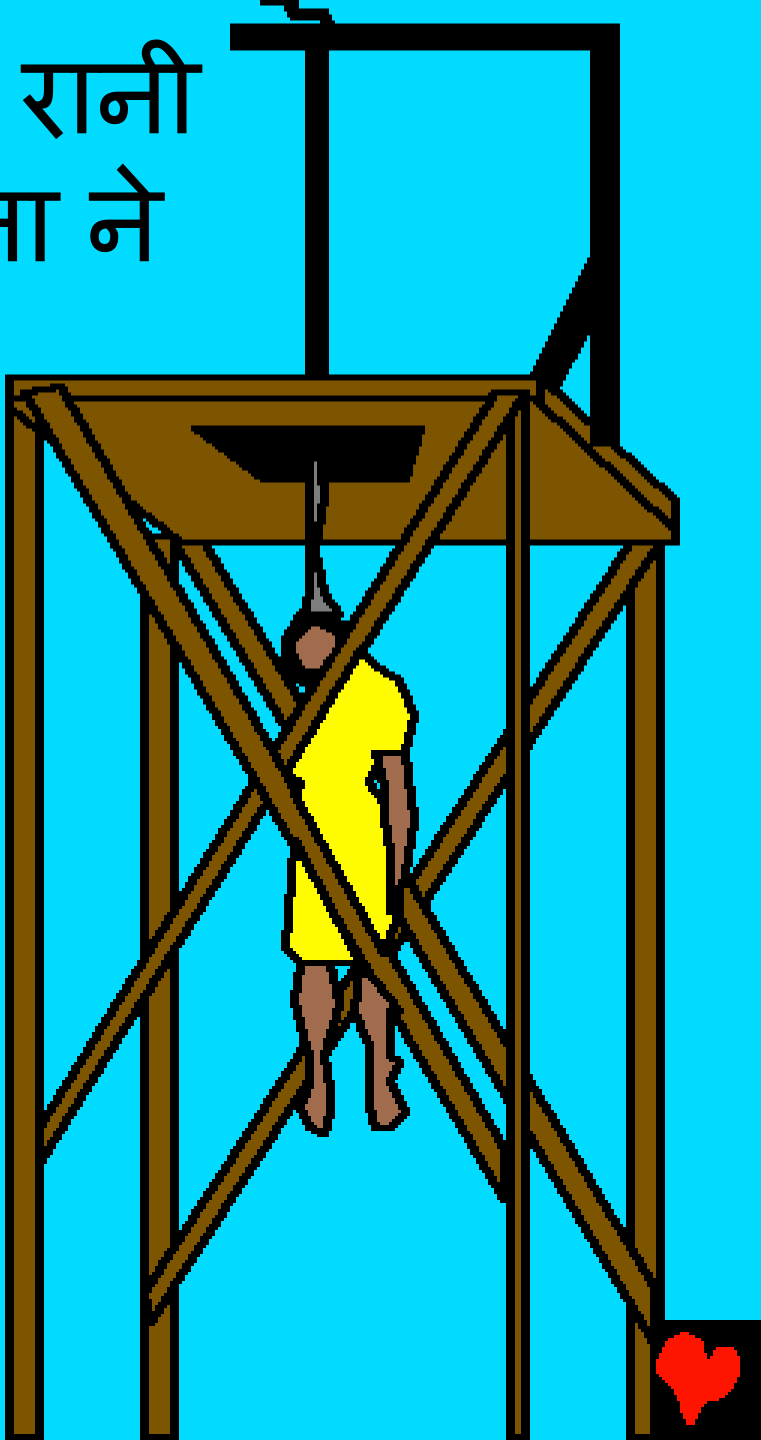

तब राजा एक और दूसरा आदेश निकाला ताकि यहूदी अपने प्राण को बचाये और वे बच गये। मोर्दकै का पद ऊंचा किया गया। सभी यहूदियों को आनंद और हर्ष हुआ।

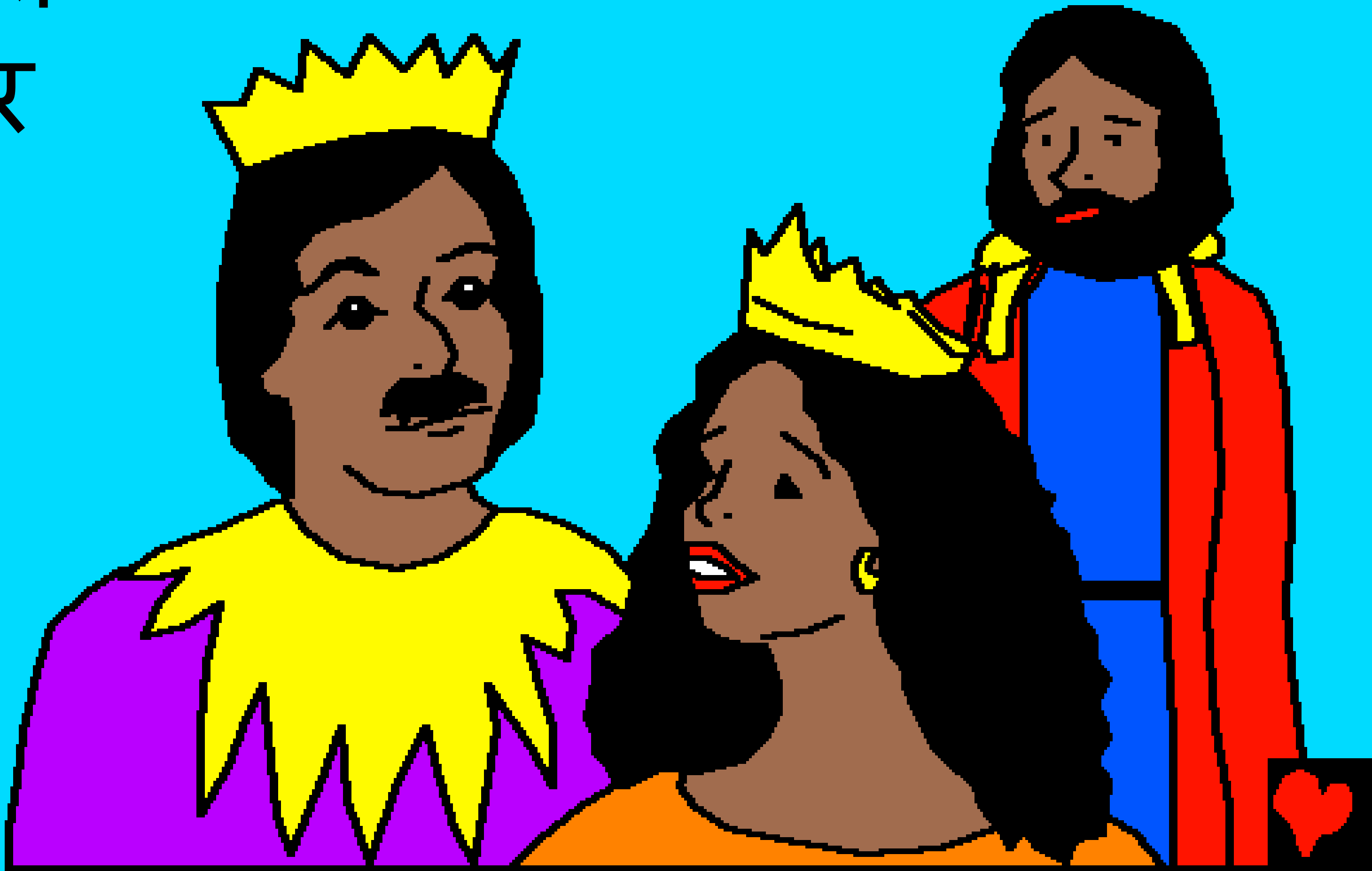

एक दूसरे को उपहार देने लगे। आज भी यहूदी लोग इस बात को याद करते है कि कैसे परमेश्वर ने उन सभी को रानी एस्तेर के द्धारा बचाया।

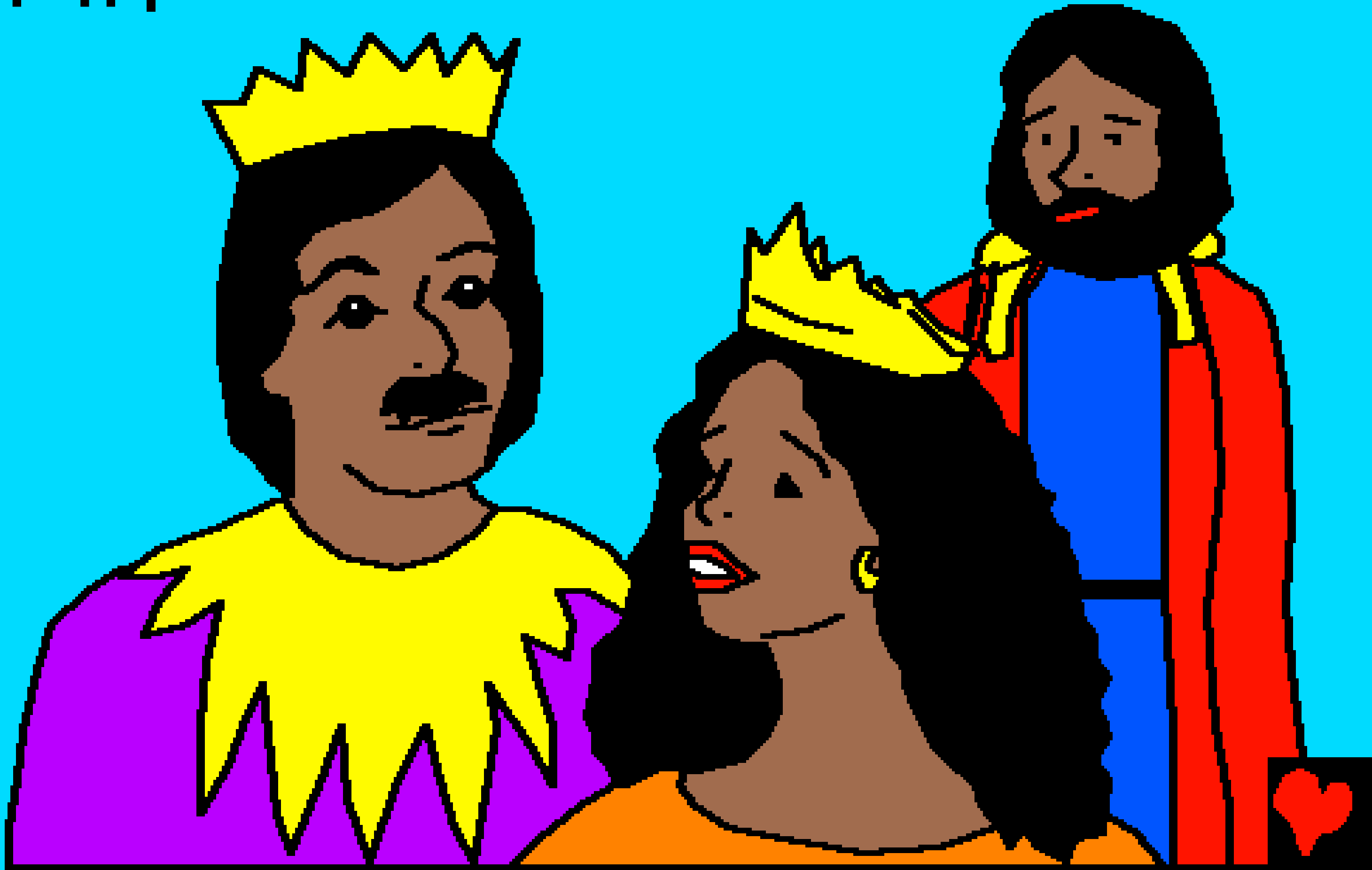

रूपवती रानी एस्तेर

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

एस्तेर

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16